Azim Premji University Faculty Seminar Series

presents

Ravish Kumar of NDTV, interacting with our students

Topic

My Work, My Profession

Date: May 02, 2016 (Monday)
Time: 1:30 pm to 3:30 pm
Venue: Seminar Hall, 10th Floor, Pixel A, Azim Premji University

Watch the live broadcast of the talk by clicking http://lectures.azimpremjiuniversity.edu.in/. It can be accessed from Android and iOS devices too.

About the Interaction

Ravish will speak about his work, about his remarkable journey, for about twenty-five minutes. This will be followed by a Q&A session for about ninety minutes.

About the Speaker

ख़ुद का परिचय देना मुश्किल होता है ख़ासकर तब जब मेरा परिचय अभी मुकम्मल ही नहीं हुआ है । अब याद नहीं कि क्या बनना चाहता था और अब पता नहीं क्या बनते जा रहा हूँ । बीस साल से पत्रकारिता में हूँ और छब्बीस साल से दिल्ली में । पाँच साल इतिहास पढ़ा और बाकी बीस साल इतिहास बनने की प्रक्रिया को दर्ज करता रहा । जो किताबों से जाना उससे ज़िंदगी को समझने का मौका मिला और जो ज़िंदगी से जाना उससे किताबों की समझ बेहतर हो गई । किताब और इतिहास को प्रेम में सबसे बेहतर समझा है ।

बहुत से लोगों से मिला हूँ । बहुत सारी जगहों पर गया हूँ । बहुत सारे होटलों में रूका हूँ । बहुत सारे ढाबों पर ख़ासा हूँ । बहुत सारी समस्याओं से गुज़रा हूँ । बहुत सारे लोगों के लिखे ख़तों को पढ़ा है । बहुत सारे लोगों से तारीफ़ें सुनी हैं । बहुत सारी गालियाँ सुनता हूँ । बहुत सारी किताबें पढ़ी हैं । बहुत सारे नेताओं से मिला हूँ । बहुत सारे कार्यकर्ताओं से मिला हूँ । बहुत सारे लोगों से बातें की है । बहुत सारे इनाम इकराम भी मिले हैं और बहुत सारे मंचों से भाषण दिया हूँ ।

इन सब तमाम अनुभवों ने मुझे गढ़ा है । कुछ जोड़ा है । कुछ घटाया है । मेरा बनना जारी है । गणित से भागा हुआ हूँ और अंग्रेजी का सताया हुआ हूँ । एनडीटीवी में कई तरह के काम किये हैं । बहुत सारे प्रयोग करने का मौका मिला है । सौ दो सौ से अधिक डाक्यूमेंट्री बनाई है । सैंकड़ों कार्यक्रम किये हैं । बहुत सारे चुनावों को कवर किया है । हज़ारों लेख लिखें हैं । कुछ कविताएँ भी । कहानियाँ लिखी हैं । हास्य व्यंग्य लिखा है । डरपोकों के लिए ड्रेरित काव्य लिखता हूँ । मेरा अपना पोडकास्ट है रेडियो रवीश । हाल ही में रेडियो मिर्ची पर मंटो की कहानी ख़ुदा की क़सम पढ़ी है । रेडियो सिटी पर अपनी लघु प्रेम कथाओं का पाठ किया है । लप्रेक नाम से कई लघु प्रेम कथाएँ लिखी हैं । इश्क में शहर होना नाम से एक किताब है । कई किताबों में मेरे लेख छपे हैं । रेडियो, टीवी, इंटरनेट, अख़बार, पोडकास्ट । हर माध्यम से जुड़ा हुआ हूँ ।

मैं एक नियमित ब्लागर हूँ । कस्बा मेरा ब्लाग है । ट्वीटर पर कविताएँ लिखता था लेकिन बाद में बंद कर दिया । देश के अलग अलग हिस्सों की तस्वीरें लेकर ब्लाग पर काफी रिपोर्ट लिखी है । अखबारों में कॉलम लिखा है । टीवी में बहुत से प्रयोग किये हैं । सिनेमा पर भी लिखता हूँ । सिनेमा और मीडिया की समीक्षा करता हूँ । बहुत सारे साहित्यिक फ़ेस्टिवल में गया हूँ । कैंसर की जागरूकता के लिए काम कर रहा हूँ । अब टीवी कम देखता हूँ और अख़बार कभी कभी पढ़ता हूँ ।

नयना मेरी दोस्त हैं । पत्नी हैं । दो बेटियाँ हैं । मैं सेकुलर हूँ । दूसरों से पूछना चाहता हूँ कि आप सेकुलर नहीं है तो क्या हैं और क्यों सेकुलर नहीं हैं ।

An English translation of this bio may be circulated later.